चार दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद

5-8 मार्च, 2017

Š

स्त्री अध्ययन विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

स्त्रीवादी सिद्धांतो एवं स्त्री आंदोलनों ने हमेशा अपना प्रतिरोध सृजनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से दर्ज किया है। स्त्रीवादी आंदोलन दुनिया के उन आंदोलनो में शामिल है जो अपनी पूरी प्रवृति में अहिंसक है। अतःअपने सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में अपनी स्थिति के प्रति दर्ज किया गया उसका प्रतिरोध अपनी सार्थकता और प्राप्त कर लेता है जब वह सृजनात्मक स्वरूप लिए हुए हो। वर्तमान समय में समाज में न सिर्फ स्त्रियों की उपस्थिति बढी है बल्कि उन्होंने अपनी अभिव्यक्ति के दायरों को भी अत्यंत व्यापक किया है। अकादमिक जगत में स्त्री अध्ययन नामक अनुशासन के रूप में हस्तक्षेप के साथ साथ अन्य सांस्कृतिक विधाओं में भी उसने अत्यंत सकारात्मक भूमिका निभाई है जिसमें पोस्टर, नाटक एवं सिनेमा एवं साहित्य सर्वाधिक महत्वपूर्ण अभिव्यक्तियां हैं। इन अभिव्यक्तियों को व्यापक जन समुदाय द्वारा ना सिर्फ सराहा गया बल्कि विगत कुछ वर्षों में भारत के लगभग हर क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर उनका प्रदर्शन, चर्चा एवं फिल्म समारोहों का आयोजन किया गया है। यह समस्त प्रक्रियाएं हमारे समाज में स्त्री मुद्दों के प्रति बढते सरोकारों एवं समर्थन की द्योतक है, जो स्वागत योग्य है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा वर्ष 2017 के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को चार दिवसीय राष्ट्रीय संवाद आयोजित करने का प्रस्ताव है जिसके अंतर्गत स्त्री विमर्श से जुडे पोस्टरों को निर्मित करने हेतु कार्यशाला, पोस्टर प्रदर्शनी, स्त्री मुद्दों पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन, उनके निर्देशकों से विद्यार्थियों का संवाद, कला के क्षेत्र में कार्यरत अभिनेता एवं अभिनेत्रियों से बातचीत, एकल प्रदर्शन तथा स्त्री विषयक अन्य अभिव्यक्तियों का आयोजन किया जाएगा।

संरक्षक
प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

मार्गदर्शक
प्रो. आनंद वर्धन शर्मा , सम कुलपति
डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, कुलसचिव

सलाहकार
प्रो. एल. कारुण्यकरा, अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ
प्रो. मनोज कुमार , अधिष्ठाता, मानविकी विद्यापीठ
प्रो. शंभू गुप्त, प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग

समन्वयक
डॉ. सुप्रिया पाठक

सह समन्वयक
डॉ.अवंतिका शुक्ला
श्री चरनजीत

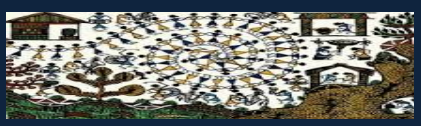
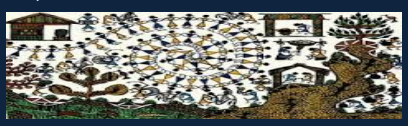
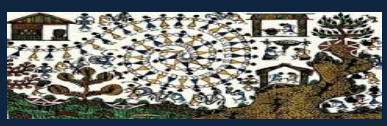

कार्यक्रम विवरण

5 मार्च 2017

उद्घाटन सत्र

स्त्री के पक्ष में सृजनात्मक प्रतिरोधी स्वर

अध्यक्षता: प्रो.गिरीश्वर मिश्र, कुलपति

स्वागत: प्रो. लेला कारून्यकारा,
अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ

बीज वकत्व्य: प्रो. लता सिंह, स्त्री अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय,दिल्ली.

विशिष्ठ अतिथि : प्रो. आनंद वर्धन शर्मा,
सम कुलपति

मुख्य वक्ता : श्री राकेश श्रीवास्तव
महासचिव, इप्टा
सुश्री नीलेश रघुवंशी
श्री हरिओम रजौरिया
श्री गोपाल शून्य

संचालन : डॉ. सुप्रिया पाठक

धन्यवाद: डॉ. अवंतिका शुक्ला

द्वितीय सत्र

पोस्टर निर्माण कार्यशाला

समानांतर सत्र-1

समानांतर सत्र-2

समानांतर सत्र-3

समानांतर सत्र-4

6 मार्च 2017

प्रथम सत्र

प्रतिरोध का सिनेमा : स्त्रियों की नज़र से

अध्यक्षता: प्रो. शम्भू गुप्त

बीज वक्तव्य: श्री संजय जोशी

मुख्य वक्ता: श्री मृत्युंजय प्रभाकर
सुश्री वेदा राकेश
डॉ. सुप्रिया पाठक
सुश्री प्राणहिता सेन
इशिता उपाध्याय
सोहिनी घोष

संचालन : आरती कुमारी

द्वितीय सत्र

फिल्म प्रदर्शन एवं चर्चा

7 मार्च 2017

प्रथम सत्र

नाट्य प्रस्तुति : **द्रौपदी**
असीमा भट्ट

द्वितीय सत्र

नाट्य प्रस्तुति : **हम खवातीन**
पूर्वा भारद्वाज एवं साथी

8 मार्च 2017

प्रथम सत्र

हिंदी साहित्य में अभिव्यक्ति के प्रतिरोधी स्वर

अध्यक्षता: प्रो. सूर्यबाला

बीज वक्तव्य: प्रो. सुधा सिंह

मुख्य वक्ता : प्रो. अल्पना मिश्र
डॉ. अवंतिका शुक्ला
सुश्री वंदना राग

संचालन : डॉ. सुप्रिया पाठक

समापन सत्र

परिसंवाद का उद्देश्य

- स्त्रियों के पक्ष में उभर रहे प्रतिरोधी सृजनात्मकता को समझना।
- पितृसत्तात्मक कलात्मक अभिव्यक्तियों दायरों से बाहर निकलकर प्रतिरोधी अभिव्यक्तियों को समग्रता में देखना।
- इस प्रकार की अभिव्यक्तियों में जेंडर को कितना और किस तरह का महत्त्व दिया जा रहा है, इसे जानना।

स्त्रियों के प्रति समाज की सांस्कृतिक एवं राजनैतिक समझ को गहरा करने में नारीवादी विचारधारा और पद्धति द्वारा सृजनात्मक प्रतिरोध के रूप में उठाए गए सवालों और अनुभवों को समझना |

पद्धति

इस चार दिवसीय राष्ट्रीय संवाद में देश के विभिन्न क्षेत्रों से कलाकारों, निर्देशकों, रंगकर्मियों एवं सहित्यकारों को निमंत्रित किया जाएगा जिनके साथ विदद्यार्थियों का लगातार संवाद होगा। पोस्टर निर्माण कार्यशाला के दौरान प्रतिभगियों द्वारा पोस्टरों का निर्माण किया जाएगा एवं उनका सार्वजनिक प्रदर्शन भी आयोजन का उद्देश्य है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण

- **पोस्टर निर्माण कार्यशाला**
- **फिल्म प्रदर्शन एवं चर्चा**
- **प्रपत्र वाचन**
- **नाट्य प्रस्तुति :**
  द्रौपदी, असीमा भट्ट
  हम खवातीन,पूर्वा भारद्वाज एवं साथी

परिसंवाद के मुख्य विषय

स्त्री के पक्ष में सृजनात्मक प्रतिरोधी स्वर
प्रतिरोध का सिनेमा स्त्रियों की नज़र से :
प्रतिरोध का रंगमंच एवं स्त्री स्वर
हिंदी साहित्य में अभिव्यक्ति के प्रतिरोधी स्वर

परिसंवाद हेतु उक्तांकित विषय पर शोध पत्र आमंत्रित हैं।
शोध संक्षेपिका (300-400 शब्द) भेजने की अंतिम तिथि- 28 फरवरी 17
शोध आलेख (4000-6000 शब्द) भेजने की अंतिम तिथि- 04 मार्च 17
शोध संक्षेपिका एवं आलेख निम्न मेल-आई डी पर प्रेषित करें-
Supriya_rajj@yahoo.co.in,
avifem@gmail.com
charanjeetws@gmail.com

डॉ. सुप्रिया पाठक
समन्वयक
9850200918

पंजीयन पत्र

नाम : .....

विभाग: .....

पता: .....

संपर्क: .....

ई-मेल: .....

पत्र वाचन – **हाँ/ नहीं**

शोध पत्र का विषय :

.....

आवासीय सुविधा - हाँ/ नहीं

पंजीयन शुल्क का विवरण-

राशि-

विधार्थी/ शोधार्थी-500/- रु.

अध्यापक/कर्मी- 1000/-रु.

बैंक-

हस्ताक्षर